राजस्थान पत्रिका

Friday, September 30, 2011

कुछ ही बचे हैं ईमानदार

बातचीत *गुरुवार को जैन कालेज में छात्रों से बातचीत करते पूर्व लोकायुक्त जस्टिस संतोष हेगड़े।*

बेंगलूरु. सत्तर के दशक में भ्रष्टाचारियों के नाम अंगुलियों पर गिने जा सकते थे, लेकिन आज केवल ईमानदार लोगों को हाथों की पांच अंगुलियों पर गिना जा सकता है। प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त जस्टिस संतोष हेगड़े ने गुरूवार को जैन डीम्ड विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज में अंतरमहाविद्यालीय महोत्सव फ्रिशन 2011 के दौरान जनलोकपाल बिल पर विद्यार्थियों के साथ बातचीत के दौरान ये विचार व्यक्त किए। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुका है। कैग ने जिस 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले का पर्दाफाश किया है, वह एक लाख 60 हजार करोड़ रुपए का है। हेगड़े ने कहा कि जनलोकपाल बिल के आने से भ्रष्टाचार पूरी तरह से तो नहीं मिटेगा, लेकिन इस पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा। हालांकि जनलोकपाल की सफलता उन लोगों पर निर्भर करेगी जो इसे बनाएंगे। एक छात्र के द्वारा यह आशंका जताए जाने पर कि लोकपाल के सदस्यों में कोई भ्रष्टाचारी व्यक्ति भी शामिल हो सकता है, हेगड़े ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसा नहीं हो। कार्यक्रम के दौरान जन लोकपाल पर वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रतिभागियों का मन मोह लिया। इसमें विजया, एमईएस, गोकुल सहित कई कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।